an>

Title: Need to impose penalty on mafias making rivers in Bundelkhand region polluted.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): सभापति जी, मैं बहुत महत्वपूर्ण विषय सदन के सामने रखना चाहता हूँ। एनजीटी के दोहरे मानदंड के बारे में यह बात रखना चाहता हूँ। आज के समाचार पत्र में मैंने पढ़ा कि आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर जी द्वारा जो अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है, वह दुनिया में हमारे देश का गौरव बढ़ाने का काम कर रहा है जिसमें 155 देशों के 35000 प्रतिभाशाली कलाकार अपनी संस्कृति का प्रदर्शन एक साथ एक मंच पर करने जा रहे हैं, जिसमें लगभग 50 लाख लोगों के आने की संभावना है। बड़े दुख का विषय है कि कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी के लोगों ने षडयंत्र करके एनजीटी में यह प्रकरण पहुँचाया। एनजीटी ने अविलंब संज्ञान लेकर यमुना नदी को क्षति का हवाला देते हुए 5 करोड़ रुपये की पैनल्टी लगाई है। आज सवेरे मैंने समाचार पत्र में पढ़ा तो आश्चर्यचकित हुआ कि मातृ संस्कृति महोत्सव के आयोजन से यमुना जी कैसे प्रदूषित हो सकती हैं। मुझे अत्यंत दुख इस बात के लिए हुआ कि एनजीटी को राजधानी दिल्ली की यमुना की चिन्ता है लेकिन बुंदेलखंड की स्वच्छ यमुना, निर्मल यमुना दूषित करने वाले माफियाओं पर एनजीटी मेहरबान है।

मैं बुंदेलखंड से आता हूँ। मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर से भी केन, बेतवा एवं यमुना नदी निकलती हैं जहाँ उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी एवं समाजवादी पार्टी की सरकारों के समय में नदियों में वर्षों से अवैध खनन हो रहा है जिससे नदियों का प्रवाह बाधित हो गया है, नदियों का स्वरूप छोटे छोटे पोखरों की शृंखला जैसा बन गया है। रिवर सैंड (मोरंग/बालू) के खनन से बुंदेलखंड की नदियाँ मृतप्राय हो गई हैं। एनजीटी ने पिछले दस वर्ष में बुंदेलखंड की नदियों को बरबाद करने वाली भ्रष्ट उत्तर प्रदेश की सरकारों के संरक्षण में खनन माफियाओं और प्रशासनिक अधिकारियों की पार्टनरशिप में नदियों को समाप्त करने का अभियान चल रहा है, एन.जी.टी. क्यों मौन है? इस माफिया गठजोड़ के ऊपर पैनल्टी क्यों नहीं लगाई? मैं आपसे अपील करता हूँ कि उन पर भी पैनल्टी लगाई जाए एवं बुन्देलखण्ड की नदियों को बचाया जाए।

HON. CHAIRPERSON:

Shri Sharad Tripathi and

Shri Bhairon Prasad Mishra are permitted to associate with the issue raised by Kunwar Pushpendra Singh Chandel.

Hon. Members, there are five more speakers who would like to speak. Is it the sense of the House to extend the time?

SOME HON. MEMBERS: Yes.